

I

1.565

RESEARCH

ASHA ARCHIVES

1565 I

ASHA ARCHIVES

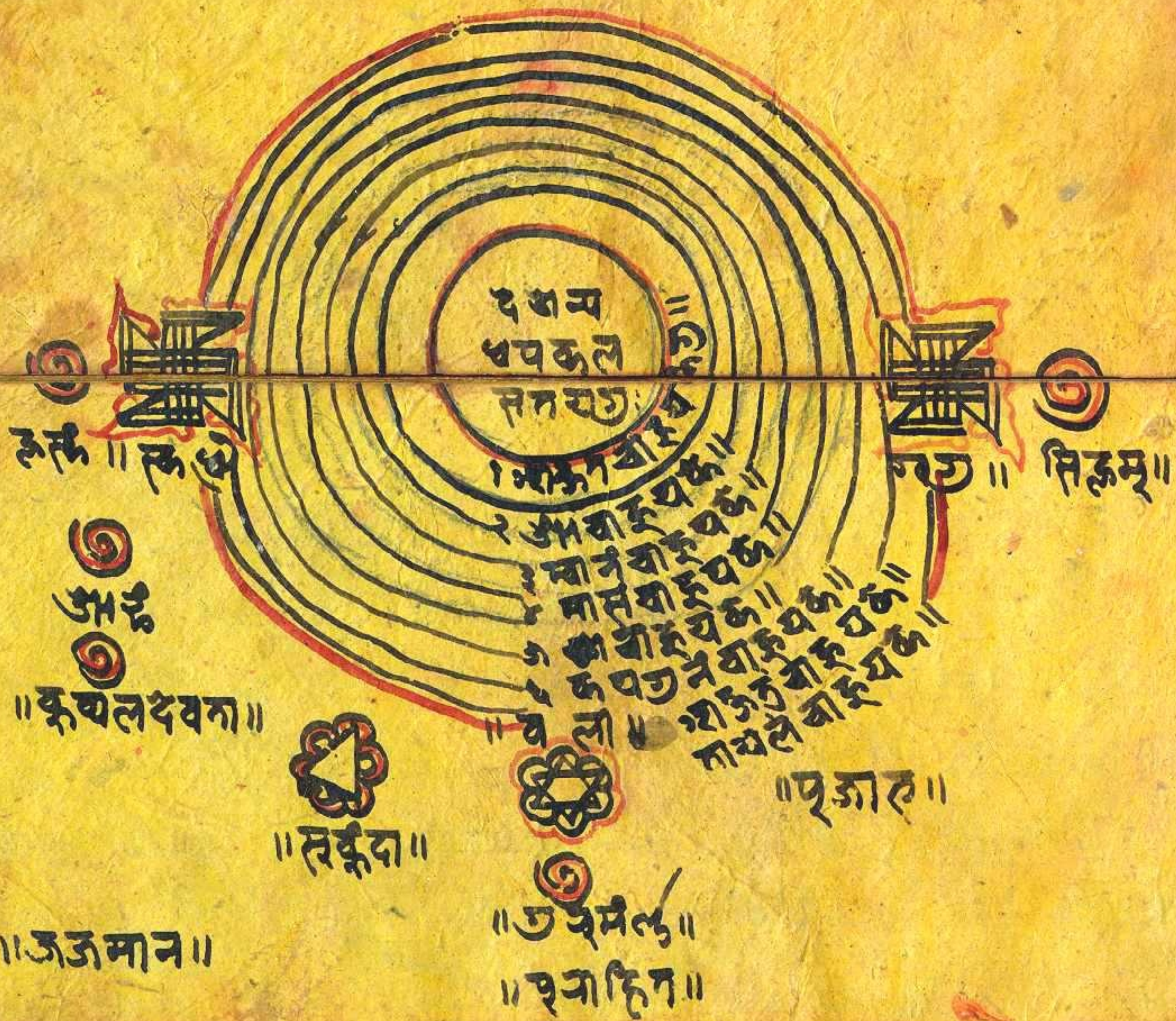
ASHA ARCHIVES

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the manuscript's content.

Copyright - Suresh C.

2014

१७ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥



ॐ नमः शिवाय

एव तावनपूषा आह न पूजा कृपा कर्मल श दा आसूर्याय श्रद्धा नमः ॥ पुण्यार्थ
 नमः ॥ प्रादोपादार्थ नमः ॥ अवाहन ॥ पाद्यादि तयक ॥ स्नानवायक ॥ सिरुलं
 तिक ॥ डंका कृपायक ॥ स्नान तयक ॥ आकि कृपा तयक ॥ गात्र याय ॥ ॐ सूर्य
 सामहि ताश्यादि ॥ ॥ पनगुगूपादार्थ काय ॥ पनपूजा र धियक ॥
 वाक् डं हनं कु ॥ ल डं हाना काय ॥ पमनं ना वाया पूजा र धिय ॥ दान पति डं
 हनं कु ॥ ॥ पन आकि कृपा हा कलपं वा न्य ॥ गुग्गु ॥ तना काय ॥ हा

न आकि कृपा ॥ वंदु ता वा न्य ॥ ॥ पन सूर्य पूजा याय ॥ देव स्नान याक ॥ ॐ
 य लंगे ली ॥ हृस्फ नं दन ॥ ॐ पु कि विं मू त्यादि ॥ अरि षक काय ॥ ॐ अरि षक ॥
 पन धूं व्या का अवाहन याय ॥ ॐ ग वन आम गू आ ग ति जल याय आ व स्र च
 जाद व द वी ज्य वाह ना य व ड धूप नमः ॥ न्या भजा प याय च ॥ ॐ ई व व संध अत्र
 स्था हा ॥ १०८ पन सूर्य व संध काय ॥ प्राद्यादि तय ॥ आम गू आ ग ति जल याय
 आ व संध अत्रा देव देवी य व जल क मू प प्राद्या च म ल धं पु ति क स्था हा ४ ४

स्नानवाय ॥ ॐ वसुं श्रवाय स्वाहा ॥ ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ लक्ष्मिस्तुति
वाचिनाय स्वाहा ॥ ॐ वर्ज्यं प्रणिच्छ स्वाहा ॥ सिंहलं गिरि ॥ लासाकाय ॥ ॐ
पयाय ॥ ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ साधनापायकादवी ॥
लक्ष्मिस्तुति ॥ नेवय स्वाहा ॥ ॐ दृग्सर्वं नेवय दानं संयुदासयाम् ॥ मठ
धिय ॥ ॐ दिपाय सर्वका ॥ गायत्री हित्य ॥ ॐ धर्मा ॥ ॥ धन हानिः
नावाय पूजार्थि ॥ नृनीयाय ॥ ॐ इत्युक्त्वा ॥ धनं गुप्ति ॥ लुप्तद ॥

मंलुल्लाहा गिरुप्रय॥ दानं ग्वमय॥ जाकिरुना अनायाय॥ मंका विविधितः
 सलावसु अकाय॥ प्राद्यादितय॥ अमरु अगुत्रमंलुल्लाहा वमनार्थपु
 गिरु स्याहा॥ जाकिरुना प्रवावाय॥ उं उं ई व ई कू सुमा जलीनाथ हा मंलुल्लाव
 जपुष्य न्या गहा॥ स्वानवाय॥ उं ह म अ वा नू व न मि॥ त्यादि॥ सिंरुल्ल गिरु॥
 वरुं गं न्द्र स्याहा॥ लास्याकाय॥ नातु याय॥ उं न मा व् अ य उ त्र व न मा अ म्मा
 य ता ज ली न म स र्वा य न मा न म र ग क्क हं ला न म स्यामी अगुत्र नार्थपु सिध

मयस्या॥ ॥ धनजाकिलखहायक॥ ॐ नमः शिवाय मया मय॥ धन
 जाकि कना हाकलपं वीन्या॥ ॐ नमः शिवाय गति स साजन॥ धनवली जाकिली
 खहायक॥ नृकाजाम्बु सर्वधमातां॥ धनस्नानवीय॥ ॐ नमः शिवाय स्वाहा॥
 सिंहल गिके लास्याकाय गीतयाय॥ ॐ नमः शिवाय माहात्राजा॥ नमस्तु का
 यजाऊनां॥ ॥ धननेवद्यकाय॥ मयविय॥ मलुतविभजनया
 य॥ ऊऊमानयात्स्नानविय॥ जहस्पदनक॥ धनसमाधादन॥ ॥ धनक

लसपूजायाय॥ स्तुतः गगुया सहस्रं सिंहसुखदास्मृतं॥ ॥ धनमैलु
 लपूजायाय॥ पितृसुखकानेवजसकनकामैलुलतय॥ न्यागुजापथ॥ ॐ ईश्वरं
 वसुधायस्वाहा॥ १०८ ॥ निजाजनः मयुक्तगामाय॥ स्वरासुखप्राद्यादित
 य॥ ॐ मयुक्तगामाय॥ स्वरासुखप्राद्यादित
 स्वाहा॥ स्नानवीय॥ ॐ वसुधायस्वाहा॥ ॐ वसुधायस्वाहा॥ ॐ लकि
 रतनिवालिनीयस्वाहा॥ ॐ वज्रजगजनिवाधनधगताय स्वाहा॥ ॐ नमः

यविताकृत्तञ्जयस्वाहा ॥ उंवजपा लीयस्वाहा ॥ उं गुलादवीयस्वाहा ॥ उं उं
मजजलेदायस्वाहा ॥ उंवजुलयस्वाहा ॥ उं विविक्कुलीयस्वाहा ॥ उं कलिमा
लीयस्वाहा ॥ उं माकुदायस्वाहा ॥ उंवलेदायस्वाहा ॥ उं गुफादवीयस्वाहा ॥
उं गुफादवीयस्वाहा ॥ उं सज्जतिदवीयस्वाहा ॥ उंवयकानादवीयस्वाहा ॥
उं गानिरुदायस्वाहा ॥ उं पूर्लरुदायस्वाहा ॥ उं धनदायस्वाहा ॥ उं वेभवर्ल
यस्वाहा ॥ उंवजुपूषीपुतिक्कस्वाहा ॥ अजमलुलधिप ॥ सिङ्गलंगिक ॥ उं का

कृत्वायक ॥ स्वानतय ॥ नेवयः मग्नः उधमार्वा ॥ इइ इल इल कय ॥ लास्यासु
ति ॥ उं कल्यादिमन विधिनाप त्रिपथमानां ॥ या अजया वि विधिजलसुवर्ल
मया ॥ पूर्लकजा गिरुवनं सहजेव सर्वगीसर्वजाकजननीपुलमामीरुकाः त्वं
दवीसर्वगुलजलनिधनरुतं सत्यार्थकार्यधनधन्यसमविहता ॥ दाया
उइइरवसमगजलाः तानमा मि सिजसीतवपादपुर्म ॥ ॥ धनजीम्य
यदवपूजायाय ॥ प्राद्या दिगया ॥ अमन ॥ उं मलदवगाय प्राद्या चमनार्ध

पुनिक स्वाहा ॥ स्वानवाय ॥ ॐ उम्वजउपन्दाय स्वाहा ॥ ॐ नार्य ॥ ॐ उम्वलायनम
 स्वाहा ॥ ॐ सर्वजंम जाय स्वाहा ॥ ॐ धनाधिपतनम स्वाहा ॥ ॐ धनंदायनम स्वा
 हा ॥ ॐ वेववर्लुयनम स्वाहा ॥ ॐ कृष्णलायनम स्वाहा ॥ ॐ वज्रपूष्य पुनिक
 स्वाहा ॥ पूजालास्वामि ॥ ॐ नृगिकृष्णवर्लु ॥ सर्वसार्यधनाधिप ॥ सर्वस
 त्वपजीगाव कृष्णार्जुनमस्तु ॥ नेवयकाय ॥ मन् ॥ ॐ धमार्वा ॥ ॐ धन
 चन्दनीपीत ॥ मन्त्रवलयिक ॥ ॐ संस्थादक पुनिक स्वाहा ॥ पंचगव विद्य ॥ ॐ
 धन चन्दनीपीम इसा धनतक पूजाया नागः सजी स्फुनं च ध ॥ ॐ धृष्ट कृन् च ध ॥ ॐ
 वज्र ॥ धन उभा हाय क उजमानयातु ॥

ॐ ग्वमृगं ग्वमयी च वदधी किजकृष्ण रिगं ॥ सर्वपापविना अर्थ र्गार्थ पविनच ॥
 हानं मन्त्रलंकायक ॥ ॐ ग्वमं लुलवाय ॥ ॥ धननावायक ॥ पूजातु विद्य
 क ॥ ॐ ग्वमं लुलदनक ॥ वलाविद्यक ॥ वि अज नयाक ॥ निजाजनयाक ॥ मन्त्र
 गावागीयक ॥ ॥ धनरुमि च धनयाय ॥ धनमं लुधाय अ स नृगलाप
 वीन विद्यकातय ॥ ॐ सर्वगा अगता साक ॥ सर्वगा अगता लयः सर्वधर्मग
 नेजात्माः दधमं लुली म्मू म् ॥ ॥ धनजा किस्वनर पाधमिनक ॥ ॐ स

मन्वाहर्षमुमावृद्धाञ्जलपादिदुसंस्मिता॥ ॥ धननिष्ठपितृमित्रया
 खगुगुतिपकायक॥ मितायाउगुपकायक॥ धनदलनाखकने॥ जाकिवन
 के॥ नगुहमोहिस्त्रादकि लजान्मलुलपुथियांमानाप्यतजान्॥ कृतेपूणाउली
 वंअगुउदलयितया॥ ॥ हनिषा॥ धपिगुसुद्धरुमित्रयावागु॥ धपिं
 उगुमित्रसां॥ उअप्रीनचूया॥ खगुपुलिपकाया॥ स्नानमालागुणादिदनाः
 कृताउली॥ लाहाहाकलपाअःगुय्याकइसां॥ धअगुचिरुसुठकयका॥ अ

वसुधजादवीयागु॥ वृक्षधर्मकपाकिमिगःकलपालीग्राहादयकाविस्काई॥
 ग्राचार्यवाचहनिषा॥ गगुधयधुगुपासइसां॥ ॥ कूलपूयावाःकूलइ
 हिगावा॥ उनधनगुयंनगकंति॥ हनिषापी॥ धगुलीगुवसुधजादवीयागुः
 वृक्षधर्मदन्यगु॥ उगुपुकालंधसांकिंकन्यनं हनिषाःगधजाधसा॥ नृपवाः
 नुकाननलंमूवृक्षान्यगु॥ नृपवाकायमवानंमू॥ कायमवानंमू॥ हानंरिदु
 पिसंनंमू॥ रिदुनिपिसंमू॥ धवृक्षदनडियावान॥ हानंममगुउपाधंवाना

धीरा न संशु ॥ दाक्षिणा धाय ॥ दासीश्या वीपी न संशु ॥ याति श्या वीपी त्व न संशु ॥
शिवसुख जादवी यागु वृद्ध न संशु ॥ धवृद्ध नाया पून्य गथा जा धासा ॥ कृकृ
पून्य धासा ॥ ह भिष्य ॥ शुक्रस्य न शिवसुख जादवी यागु वृद्ध न संशु ॥ राडव
कृष्णाः इति याः नृति यावृद्ध ॥ धधशु मनसुद्ध या ना ॥ उक विरु न संशु वया
न जा धासा ॥ नृलः शुशु कार्य कामनाः पून्य मश्या धान ॥ नृल पून्य श्या धा
मना ॥ उक विरु या ना राव या सा ॥ धशु मनसुद्ध या ना कामना पून्य श्या धा
मना ॥

ध ॥ धधिक्क पत्रम नृली सा ऊगु शिवसुख जादवी याक नमस्कात्र या ना ॥ ध
धशु कामना धान नृल सिष्य ॥ गथा जा धासाः नृपत्र म नृल ॥ जिमीस्यः धर्मः
कर्मः पापः पून्यः रावः रागतिः कृनमसु जिमीस्य ॥ जिपी नृनार्थ धयागु कृ
नमसु ॥ जिमीस्य ध कामना या नागु ॥ कलपाल याक राव रु क्रिया ना ॥ धर्म
कर्म ॥ वृद्ध वल या यगु ना ॥ धसमसु पून्य या ना विष्काई कलपाल पुत्र श्याः
कलपाल याक सहसु का ठि नमस्कात्र ॥ ॐ ॥ पून्य धिज रा न पून्य ॥ ध

नपिजरुनधनं ॥ हानं संखरुस्यनं ॥ संकानमदयावानी ॥ नृलधवदुनाशः
 संकानदयमाधकापुतिहायाना ॥ धवदु नृकचिनुनंदनधसा ॥ संकानद
 यकाधिया ॥ हानः शुगुका मनायाना वान ॥ नृपवाः धनदवमदयावानी ॥ नृ
 लेअया धनदवमनदया आयी ॥ धन्यधय ॥ चतुखविहिनं पृगइया आयी ॥
 नयमदयावानी ॥ गान्यमइधका ॥ धधवसुधजायागु वरुदनावानी ॥ नृल
 अयाः सर्वसस्यादि ॥ नृवइसां प्राफिरुया ॥ धगु कुनं अलकिवा गयायी ॥

नृधं हसिष्य ॥ धधिगुदुलइसां लाययात् ॥ सिंठिकायदया अमखरु निष्यः
 विना धधि नृधवसुधजादवीया केरावरकिमयासी ॥ नृधं कायदयीमख
 दुलहसिष्य ॥ सदा सर्वकार्य चल्पयानावा ॥ नृधवाचत्रमयासानं ॥ असपा
 लयागुपुतिमादयका ॥ पूजा रावयानावा हसिष्य ॥ नृधनं मइसा नामड
 ककया अनमस्कायानावा हसिष्य ॥ ॥ उविदाहत्या ॥ नृदजी
 आरवमि ॥ धधिगुदुलइसां लाययात् ॥ नृधवाचत्रमयासानं ॥ असपा
 लयागुपुतिमादयका ॥ पूजा रावयानावा हसिष्य ॥ नृधनं मइसा नामड

ई सियां ॥ उगीउरुयावानी ॥ नराकूयायः किउगीउरुयावानी ॥ अकयाउ
पायकूयाय ॥ गथयायः किनरुसां भवगुउपायमइ ॥ किनरुसां थथिऊ
उगतयासागुरुयावानी ॥ वसूअजादवीयागुवुरूधर्म ॥ किनदन्यथा
मननरागपा ॥ अवसूअजादवीयागुवुरूधर्मदनी ॥ अकयापूयनरुसाः
गथिगुरुलपाफिरुयालाअसा ॥ पगुदुदगीउरुयावानी ॥ अयाकुनकल
सुवर्क ॥ नृप ॥ धनसंपुति ॥ संपूर्णपजापूकुरुयकाविया ॥ पूनवलिः हसि

अहानः अकुरुदनायापूयनं ॥ उरुकरुसियाः याचिनीकयावानी ॥ आगपिगुरु
यावानी ॥ नानाकुरुआगारादिरुयावानी ॥ अआगदकं सानुयानाकुरुकावियाः
अथहसिष्य अकयाकाजल पथिऊपत्रमचलजीवसूअजादवीयागनमसा
जयायगु ॥ ॥ पुथुदुदरुजाहिसूयः सुगंधजलसानं ॥ हसिष्यः
गथजाअसा ॥ अकुरुदनायाग ॥ उगुपुकांलमाजावानअसाहसिष्य ॥ हापी
वलागुययअसा ॥ सुपहापी असूर्यलूयठा ॥ सुगंधजलसानंयाय ॥ माल

कृय ॥ सुचिवर्गपुन्यः धर्मायायधुंका ॥ उभावृक्षधः पंचाप्रचालपूजासा
दाम्कलसकठादयक ॥ ॥ कायकंतिविद्वपापः वाचिकंनुचतुर्विधं
हसिष्यहान ॥ दलं कृष्णलयाखकन ॥ गंधधसाः मन्त्रपुत्रमृश्याडा ॥ पापः
पुष्पखमसियाडा कन ॥ पशुधंश्याकान ॥ गंधधसाः मन्त्रपुत्रमृश्याडा ॥ पापः
पापलगाड ॥ वचनयानागुपापधगाड ॥ मननयानागुपाप ॥ चगाडः मृधं
हसिष्यः धपापशसां भावक्यानिनि ॥ ॥ वगुवसुधगादवी ग्रावाहनयाना ८

अकचिह्नयानाः धवृक्षधर्मदनावाधकाः ग्रावजावायुगुनं ग्राह्यादयकाडा
विष्काग ॥ ॥ नसत्यघातयिष्यसिः नहजिह्नुपुत्रसक ॥ हानं हसिष्यः जाव
तधय ॥ गवधधसाः ग्रावसुधगादवीयागुवृक्षधर्मचलयायवधति ॥ भवया
गालकायमश्या ॥ भवयाधनसंश्रुतयमश्या ॥ भवयाककामकृदायायमश्याः
भवयागृहसखलायमश्या ॥ कठपितृइवशयकं किनुवचनयमश्या ॥ जाना
वापीहायावियमश्या ॥ भवसुगुल्लुकाकेमश्या ॥ भवयाकार्यसस्यकावियमश्या ८

I

565

RESEARCH

ASMA ARCHIVES

पुन्यधय ॥ कतपिंतः कारववृत्तहायमशा ॥ जयापालधयः धनयायमशा ॥ जयध
दभकूलधयागुपाप ॥ धर्मयाजावाकृत्यः धलीपापगायमालहसिष्य ॥
शमिषयजीवजिह्वधय ॥ ला ॥ डा ॥ वि ॥ विह ॥ मध्यापानः धलीगायमाल ॥ हानम
रवनागुरवनाधयमशा ॥ प्याधनरुयमशा ॥ वाधधयमशा ॥ गानधयः धनहात्य
मशा ॥ धमंधकाजीपीकयतयावाननमशा ॥ जयजगज्जनयायमशा ॥ रवागासी
दन्यमशा ॥ धलीकर्मगतलपमाल ॥ उक्तवर्णासधलजपमाल ॥ उक्तविरुयाना

वसुधजादवीयागुवृत्तधर्मसचलयायमालः हसिष्य ॥ ॥ स्वर्गहवापज
हवागुविरुत्तासमाजप ॥ हसिष्य धवृत्तदन्यजनमालाधसा ॥ धगुऊरुलसा
यू ॥ जयवामवरपिंठुऊनीयू ॥ गुगुधसिपुऊरुयावान ॥ उगुधसिधवृत्तदन्यमा
लहसिष्य ॥ पुनर्वलिहानः हापाधसीसाजस ॥ पुन्यरुयावागुवर्षत ॥ हापाः स्त्रीरुया
गुमंलुलदकू ॥ हानजयिमीलुलदकू ॥ हानवायमंलुलउत्यगिरुल ॥ जलसूर्य
मंलुलउत्यगिरुल ॥ पृथिवीमंलुलउत्यगिरुल ॥ गुमलपर्वकूउत्यगिरुल ४

धधीकागुडत्यतिरुया वागुली ॥ पश्यसंयगु द्वाद्यादयाशन ॥ नृपगभ्यरायमा
नरुया वागु ॥ नृनेग २ गुद डालस रालाना वागु ॥ धर्म लुलया मध्य विकाना वा
क्रु श्रीव सुख जादवीग धर्वा धसा ॥ ॥ पितवर्क नृक मुख ॥ षठ र डालली
गाशन ॥ ॥ पुनर्वालः गधरा धसा वसंध जादवीया रूप ॥ नवजीवर्क धय ॥ डि
षदयान नृली रुया वाक् ॥ कासुगुवर्क रुया वाक् ॥ नृक मुख धय ॥ कपा राल धन
सपा वाक् ॥ रूका गहाने रूक धन लपा वान धसा ॥ उगुला हाति सकल सत्य पिं

तड धपयाना विकाना वान ॥ श्रीग धगन पिरी नमस्काय याना वान ॥ निकागुलीः
नृत्तमा वाक् ना वान ॥ रूका गहानिः सकल याग वज्र दान विया वानः पि ध धिया वान ॥
खगुयामूल गहानि ॥ कल सजाना वान ॥ निकागुली पुस्तक पुस्तक जाना वान ॥ रूका
गुली धन्य मजलीः उगु ० जाना वान ॥ धली धन लपा वाक् श्रीव सुख जादवीया ग
नमस्काय याय ॥ नृनेग २ ती सातिया विकाना वाक् ॥ नृनेग २ देव नापि रू वा रूय वा
पहसाम धद धस विकाना वान ॥ पडा ध धमनी विकाना वाक् दवी ध ॥ नृ ध ध

मास ॥ चंडारमं लुसविकानावानधकाहालय ॥

॥ धनधगम्या चंडार

मं लुलपजाया ॥ जाकिलखपायादिगय ॥ ग्रामरुगाल क्कीरुगुजर्वसुधगाद
दीयपायाचमनार्धपुनिकुस्वाहा ॥ स्नानवाय ॥ उंवसुधजस्वाहा ॥ उंवसुधजायः
उंलकिरुगुनिवासिनीय ॥ वज्रधज अगजतिर्याषितपागगाय ॥ श्याविलाकु
नचगाय ॥ वज्रपालिय ॥ तुंलादवीय ॥ ऊंमलजनेन्याय ॥ वज्रलय ॥ चिवि
वूंलुलीय ॥ केलिमाजीय ॥ माकुन्याय ॥ वज्रन्याय ॥ शुफादवीय ॥ सुशुफादवी

य ॥ सनसुमिदवीय ॥ वंदकानादवीय ॥ मानिरुन्याय ॥ पूर्लरुडाय ॥ धनन्या
य ॥ वेणुवर्लय ॥ वज्रपूषीपुनिकुस्वाहा ॥ सिंहनिक ॥ ऊंकाकुस्वायक ॥ स्नानका
यक ॥ धडवजी ॥ हलहल ॥ ग्या ॥ ग्वय ॥ वाकुमधा ॥ दकुना ॥ खलूमधाकायक ॥ धं: म.
धनजाकिर्क ॥ उंवसुधजासदानत्वा ॥ डाजीडनवगाजली ॥ साधनापायका (नयाके
दवीगालकिर्नमस्तु ॥ ॥ धनऊंमलनसिपजायांक ॥ प्रायादिगय
क ॥ ऊंऊंमलायप्रायाचमनार्धपुनिकुस्वाहा ॥ स्नानवायक ॥ उंऊंमजायस्वाहा ॥

नयाके
विय ॥

नारयण उम्वजा उ न्दाय स्वाहा ॥ सर्व उ म्वजाय ॥ रुठ २ नंखपाल नागजाजाय ॥
वसुधाय ॥ वसुधाय जलाय ॥ तर्कित एत निवा लिनाय ॥ वज्र पृष्ठा पति कु स्वाहा ॥
सिंह ॥ डंका ॥ स्वान ॥ नेवद्य ॥ रुल हल ॥ खलूमधी ॥ दकुल ॥ मनु ॥ धूं ॥ तयक ॥
गोतु याय जा कि नक ॥ उं च ने च जी पी त व ल्हा री सर्व चर्य च ल विष ॥ सर्व स
त्व प पि गो षी कृष्य र्ज पु ल मा म्य ह ॥ ॥ धन धर्ज द न पिशुः वकाः कृ कि
प्य ला दा य क ॥ वज्र ग पि कि य क ॥ ६ ग थी कि क ॥ धन का म्गि र ड क ॥ उं न म

[illegible]

धनकादवतापूजायाक ऊजमानयाग ॥ धनदनपीकदवपूजाकायके ॥ स्त्रीः जा
कि ॥ सिंह ॥ डीका ॥ नेवद्य ॥ धूः धन ॥ दकुल १ गयकाकाय ॥ ॥ धनधडी
हूअन्यवागुवलीविरा ॥ अक माहका ॥ धर्पपूजा ॥ धनसकसिर्नकिगवकायके ॥
उं नमाधुधयगुगुयनमाधर्मायताजलीनमासंघायमहसुम शिमगुगुचलल
कमलायमिरेगकाहं ह्यानमस्यामी शिगुगुनाथंपुसिद्धमडस्यगु ॥ अदकजल
सहलीकागमगत्यप्रादि ॥ वसुधाययाग ॥ उं वसुधाययासदानत्वाडाजीउन

वताजली ॥ कलभयातनं ॥ हू ॥ हजं धापजमंदवत्यादी ॥ माहां कालकृष्ण
वर्णसमापूरु प्रादि ॥ स्कंधेयाग ॥ उं शायवृक्षिज ॥ धवृक्षि प्रादि ॥ धवृक्षि
सयाग ॥ जडावदा प्रादि ॥ हूकं सिंहसूयाग ॥ वसुधाययासदानत्वा ॥ मयाग ॥
लूजसंविजसंजार्ग प्रादि ॥ मीलुलयाग ॥ उं वसुधाययासदानत्वाडाजी
उनवताजलीसाधनापायकादजीलकिममसुते ॥ वलीयाग ॥ ॐ न्दा
दयामहाजाग्रा प्रादि ॥ दानपुति ऊजमाननेपालमंलुलेत्रलिगापुत्यमा

हानगलः सर्वं च नाममाहाविहाजुं मन्त्रयति ॥ ॥ नामायी च
 मन्त्रवसि कल्याण कामनार्थ ॥ ॥ सजीव सर्वजाग निवाजलार्थ ॥ लक्ष्मि कु
 लसंज्ञानादि सप्तवृत्ती कामनी ॥ वर्षवर्धन वसुधायुक्तावनकृयाकर्म
 लज्जुष्ट जीव प्रपद्यते वयादिन सर्ववृत्तिपत्री पूर्णनमस्तुते ॥
 धनगुणपूजा ॥ दंडुलकायक ॥ कलसे ३ मीलुल १ सहली १ मयागक
 भासय ॥ धनं दनपीकनी गुणपूजाकायकः ॥ ३ ॥ स्वः ॥ जाकि सिंहः
 ॥ ३ ॥

कया ॥ किरुनिसगानेकायक ॥ ॥ धनधनं दनपिंग विभजनयाक ॥
 यकाचिक ॥ ॥ वसुधायवर्जस्तु नमः ॥ दंडुलकायकः ॥ १ ॥ धनवा ॥
 ऊमासुचकवियधनदनपीनी ॥ ॥ धनधनं गुणमूलुलका
 विभजनयाय कृनेकायमस्तु ॥ ऊजानानपीत सिंहलिक ॥ धनं दनपिंग का
 पपावकामीलुलतयक ॥ ॥ धनपाजलयाय ॥ ॥ ४ ॥
 धनसजीवु कोयवाथं वागुवाकपूजायाय ॥ ऊमाधकासुचक ॥ नलकोमाजीपूजायाय

१ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ स्वाय ॥ माहनी ॥ सुकलो ॥ सिंहु ॥ अपि ॥



वला



॥ गुरु ॥



अलीअपनधूनकाऊऊमानयातपूजाहृषियक ॥ हुनमाहुगवभूषणक
हुजाजायांतअगतायीइहंभूसंभवेसंवृक्षयः दानपतिऊऊमानस्य ॥
तसिदिनशामरुशिवसुखजामाहादेवीआवाहनाः संपूर्णगलस
माहाकाजशायुवधिः चक्रसंभजवर्जवाजाहि अर्चनदवागुलीवेअन
जायकोमालीदवदवीआवाहनाः अथसंभजवर्जवाजाहि अर्चनदवागुलीवेअन
कर्मलजार्जकल्वपूषाहाऊननमस्कनामहं ॥ लअज्ञानकार्य ॥

आदि

मनाकाय

पनजा न ॥ उत्रवृद्धवान ॥ मंखपूजायाय ॥ दवयान्नस्तानयाक ॥ ज्ञावाहनयाय ॥
श्रीमन् श्रीगोवत्सुखजावालको माजीदवदवीयवजधूपनम ॥ आप ॥ ॐ रुद्र
रुकोमालीयईरुठ स्वाहा ॥ अत्र २१ स्वरासुखप्राद्यादितय ॥ श्रीमन् श्रीगोवत्सु
खजावालको माजीयप्राद्यावमनार्थपुतिके स्वाहा ॥ स्वानवाय ॥ ॐ वसुध
जायनम स्वाहा ॥ ॐ ईं कुं वसुधजायनम स्वाहा ॥ वसुपुत्रयनम स्वाहा ॥ ॐ को
माजीयनम स्वाहा ॥ ॐ काठहोत्रवायनम ॥ ॐ जलवचनम ॥ ॐ वृद्धिद

वरायनम ॥ ॐ कर्जठवृद्धायायनम ॥ ॐ अटहासकुशायनम ॥ ॐ उमयुपा
नयनम ॥ ॐ पुमचिंदायनम ॥ ॐ मनागजाजायनम ॥ ॐ लकिव नम
नजायनम ॥ ॐ कोमाजीयनवजधूपनम ॥ ॐ सिंहुलीतिक ॥ ॐ
काष्ठवायक ॥ समयकायः मवियजधर्मा ॥ लास्यातुयाय ॥ ॐ कोमा ^{वसुध}
जीमयुजात्रुः मकिहसाकजा लुग ॥ नकावर्लसुखा लगी ॥ कोमाजी ^{जामदा}
वनम सुते ॥ ॥ पनगुर्मलुलदन ॥ वजीविय ॥ यनमाहनीस

जीवचिकनीं हुं ल॥ मं लुलनय कायरनीनय॥ पंचवृक्ष स्वर्णपूजायाय॥
 धनका काचर गजजमानविया सिद्धननक॥ उउयाताकनवकुतायादि४
 धनमाहनीरुय॥ ॥ धनजजमानयागुर्मं लुलदनक॥ जह
 स्यकाय॥ विजजनयाक॥ धनसमाधिदन॥ धनका॥ सर्वे॥ माहनी॥
 सिद्धखाद्यधपी सुकुदापूजायाय॥ न्नावाहन॥ अरुगवनममचछाणीः
 आयवृक्षिगलसमाहीकालचक्रसंमलवजवागहि न्नानीद्वानूली
 ॥ धनपियादडीममं नृपाउतय॥

वेण्मनजायवर्जधर्पनम॥ जायध॥ उं र्वै लुकागहईरुठ स्वाहा॥ २१॥
 धनमं नृपाउतयरुति॥ उं रुहाहिं न्ना र्वै स्वाहा॥ ॥ धननयाय॥ उं अइ४
 खठकानवीय॥ धनप्रायादिस्नानवीय॥ उं न्नायवृक्षिय स्वाहा॥ उं न्नाव
 क्षिय॥ उं सुखवृक्षिय॥ धनसंमानवृक्षी॥ उं सफवृक्षिय॥ उं गंगलपुति
 यस्वाहा॥ उं गल स्वजाय॥ उं जनपुतिपुडिगाय॥ उं न्नामादाय॥ उं नुदई
 काय॥ उं न्नाहाकाजाय स्वाहा॥ उं ईकाजाय॥ उं ईकाजाय॥ उं न्नाकाजाय॥

माहनी ॥ ॐ नैलाक माहनी यस्माहा ॥ ॐ सर्वदा किनीय ॥ ॐ माहनीय ॥ ॐ
रुनीय ॥ सिंह यात ॥ ॐ ववर्ज वाजा हिनमसाहा ॥ ॐ हायायामिन्यनम ॥
ॐ हिंमाहनीनम ॥ ॐ हहसंवासनीयनम ॥ स्वायधायीयात ॥ ॐ कान
न्यसाहा ॥ ॐ पजमानन्य ॥ ॐ विजमानन्य ॥ ॐ सहजानन्यसाहा ॥ सुक
यात ॥ ॐ वेचवर्हयसाहा ॥ सिंह लास्यातात ॥ ॐ शयवधिउचवधायीयादि ॥
ॐ हजंवापजमदवकार्यसिधियादि ॥ ॐ माहकालकृष्णवर्हयादि ॥ ॐ संव

जायसर्वकृष्णनयादि ॥ ॐ नत्वाशिवजवाजाहियादि ॥ ॐ निजनीलाउनीजा
रायादि ॥ ॐ उरुसंविजलयादि ॥ ॐ यकायमवियउधमावा ॥ ॥
धनकोमाजीवापुजायायवायवागुवाकननुदाक ॥ धनवाकपुजायाक ॥ व
विषय ॥ सकसियांकिग्वकायकवाक्कअहननु ॥ दानपुगीनडाह ॥ ॐ उरु
जादकुल ॥ ॐ अगी ३ ग्व ॥ कोमाजी १ सहजी १ क्रयातउधसर्ध ॥ पंचाक
मकायक ॥ ॐ ॥ सिंह माहनीकाकायउजमानयागतवक ॥ सिंह अगीतय ॥

बुवा हा या कडों गराहू ॥ थ सरु सनानं ला रया ना काल ॥ सापंच मा हा पा पला य मा ॥

सक सिंया गिय ॥ वका कया विय ॥ थनखाय काय कोमाजी काय ॥ थनपंचा

कूळ विपन थिय ॥ समय काय ॥

॥ कोमाजी खान काय ॥ थन हा

ऊन याय ॥

॥ ॐ तिज कोमाजी प्रजावृक्षि समाप ॥

कुमाली या वाक्य ॥ ज्ञावाहन ॥ श्रीमत् श्री श्री बाल कोमाली गल समाहा कालाय

वज्र धर्पनम ॥ न्या हा आप ॥ ॐ हूँ हूँ कोमालीय नम स्वाहा ॥ अत्र २१ स्वरा

वसुधा पाशादि स्नान वीय ॥ ॐ हूँ हूँ बाल कोमाजीय स्वाहा ॥ ॐ हूँ हूँ लेन वाय स्वाहा ॥

जल चंद स्वाहा ॥ वं हिंद वताय स्वाहा ॥ कल जल काय ॥ गृह हा सकृ गाय ॥ ॐ मज्जाय ॥ पञ्च

नाग राजाय ॥ लक्ष्मी व कसम न नाय ॥ वं हूँ व नाय स्वाहा ॥ मोहाल किं य स्वाहा ॥ प्रजा ला

स्वा सु ति ॥ कोमाजी मयुजा गृह ॥ किं हूँ हूँ कजा गृहा ॥ जक व हूँ सु अला गी ॥ कोमाजी

वन म सु ति ॥ समय ॥ अत्र ॥ मग ॥ नाय ल हा ॥ थन वाक्य प्रजा ॥ वना विय ॥

ऊन माने गुरु मनुदन क ॥ किं हूँ काय ॥ ॐ हूँ प्रजा द कूळ काय ॥ थन पंचा कूळ काय ॥

विप थिय न क ॥ सिंहा का कया न न क ॥ सक न ॥ तिय जा ग तिय सिना स्वाहा ॥ सिंहा य सक

सिंया ॥ कोमाजी काय दवाद्य राजतया ॥ अपि न थिया काय ॥ पंचा कूळ विप थिय क ॥

थन कोमाजी काय ॥ अ सुवा कूळ काय द व काय ॥ ॐ हूँ हूँ ति स्त्री रा ग विय ॥ ॐ मज्जा

यने विय ॥ हाने साय सिय या ना कें नू स विद्या हय क मा क ॥ ॐ हूँ हूँ न क ॥

वंका स्वा ॥ सिंहा जा कि प्रजा याय ॥ अली ॥ तिज ॥ ॐ न नी उ याय माल ॥ जल सं य

काय क ॥ हा ऊन या क ॥ म प